Thakur, Shri P. R.

Tiwary, Shri D. N.

Uikey, Shri M. G.

Verma, Shri Balgovind

Virbhadra Singh, Shri

Yadav, Shri Chandra Jeet

Yadav, Shri Jageshwar

MR. CHAIRMAN : The result* of the division is : Ayes : 17, Noes : 76.

The motion was negatived.

MR. CHAIRMAN : The question is :

"That Clause 16 stand part of the Bill."

The motion was adopted.

Clause 16 was added to the Bill.

17.45 hours

HALF-AN-HOUR DISCUSSION RE : IMPACT OF DRUGS (PRICES CONTROL) ORDER ON PRICES OF DRUGS

श्री कंवरलाल गुप्त (दिल्ली सदर) : सभापति महोदय, देश के हर एक नागरिक का यह अधिकार है कि उसको समय पर और उचित दाम पर दवाइयां मिलें, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि यह सरकार उस सम्बन्ध में पूर्णतया फेल हो गई है। आपको सुनकर आश्चर्य होगा कि पिछले सात सालों में दवाईयों की कीमत 40 प्रतिशत ज्यादा हो गई है और इसलिए सर्वसाधारण जनता के लिए दवाई हासिल करना कठिन हो गया है। टैरिफ कमीशन ने अगस्त, 1966 की अपनी रिपोर्ट में कहा कि 17 एसेंशल ड्रग्ज में 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक नफा है और उन का दाम कम होना चाहिए। मंत्री महोदय से मेरा पहला सवाल यह है कि आखिर वह इस रिपोर्ट के बारे में दो साल तक क्यों सोते रहे। उन्होंने दो साल के बाद निर्णय लिया। अगर सरकार समय पर काम करती, तो लगभग अस्सी करोड़ रुपये का फायदा सरकार और जनता को होता। सरकार ने वह रुपया मैनुफेक्चरर्ज की जेब में—और विशेषतया फारेन मैनुफेक्चरर्ज की जेब में—डाल दिया, क्योंकि उसने दवाइयों के दाम ठीक समय पर कम नहीं किये। यह एक क्लीयर एन्ड सिम्पल केस आफ बंगलिंग है।

सरकार ने जो ड्रग कंट्रोल आर्डर इस्यू किया, वह इतना एम्बिगुअस, काम्प्लीकेटिड और कनफ्यूजिंग था कि न सरकार को मालूम था कि क्या आर्डर दिया, न कैमिस्टस को मालूम था और न मैनुफेक्चरर्ज को मालूम था—कनज्यूमर्ज को मालूम होने का तो सवाल ही नहीं है। नतीजा यह हुआ कि हर रोज सरकार कोई न कोई क्लैरिफिकेशन और एमेंडमेंट जारी करती रही। पंद्रह दिन में इक्कीस बार इस आर्डर का एमेंडमेंट हुआ। इस तरह का कनफ्यूजन आज तक कभी नहीं हुआ है। सरकार ने यह आर्डर बगैर स्टडी करके जारी कर दिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि कीमतें बहुत बढ़ गई। जिन दवाइयों की कीमतें कम की गई, वे मिलती नहीं हैं। नवलजीन और सैरिडान की कीमत 25 परसेंट बढ़ गई है। जो लैक्सेटिव की बोतल पहले 7 रुपये में मिलती थी, अब वह 27 रूपये की हो गई है। यह बात दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन

---

*The following members also recorded their votes :
AYES : Shri Beni Shanker Sharma and Shrimati Tara Sapre
NOES : Sarwshri K. Hanumanthaiya and M. V. Krishnappa.

[श्री कंवर लाल गुप्त]

द्वारा दिल्ली में किये गये सरवे से मालूम होती है।

जब यह सब कनफ्यूजन हो गया, तो सरकार ने दूसरा आर्डर पास किया कि मई की प्राइसिज पर चले जाओ। क्यों साहब ? आपने यह पहले क्यों नहीं सोचा ? यह एक तरह से आपने रिट्रीट किया मैं यह कहूँगा कि—Shameful spectacle of Government, beating hasty retreat. क्योंकि आखिर में यह कन्फ्यूजन हुआ क्यों ? आपने कोई स्टडी नहीं किया।

दूसरी चीज, इस तरह से करके कुछ दिन, कुछ महीने तक तो यह चलता रहा। नतीजा यह हुआ कि इसके कारण से बीच में मैन्युफैक्चरज के करोड़ों रुपये बन गए। लोग कहते हैं, मैं नहीं कहता लेकिन यह आम चर्चा है, डा० सेन नाराज हों या खुश हों, इस सारे बंगिलग के दो कारण बताऐ जाते हैं। एक तो यह कि जल्दी में यह आर्डर कर दिया। आपमें और के० के० शाह में यह होड़ लगी हुई थी कि सोशलिज्म में और प्रधान मंत्री के नजदीक कौन जल्दी पहुँच जाय और इसके लिए इस तरह से दवाई के दाम लागू कर दिए। दूसरा कारण यह है कि बम्बई के जो एक मिनिस्टर थे वह और यहां के सेन्ट्रल गवर्नमेंट के कुछ मिनिस्टर्स ने मिल करके पार्टी फंड्स के लिए पैसा लिया।

सभापति महोदय देखिए, एक बात में रेकार्ड पर नहीं जाने अगर आप नाम लेते हैं तो आप नोटि ये पहले। .....(व्यवधान).....बम्बई के मिनिस्टर का नाम लिया.....

श्री कंवर लाल गुप्त : मैंने किसी का नाम नहीं लिया। इतना मैं जानता हूं। मैं नाम नहीं ले रहा हूं। मेरा मतलब यह है कि बम्बई के मिनिस्टर ने और कुछ केन्द्र के मिनिस्टरों ने मिल करके अपनी पार्टी के फंड्स के लिए पैसा लिया। यह एक आम चर्चा है और यह आपकी पार्टी की जिम्मेदारी है कि वह इसका स्पष्टीकरण करे। नहीं तो यह सभी लोगों के दिमाग में बना रहेगा कि करोड़ों रुपये का बंगिलग लोगों का और कन्ज्यूमर का आपने किया ओर वह इंडस्ट्रियलिस्ट्स की जेब में डाल दिया क्योंकि आपको पार्टी के लिये कुछ पैसा चाहिये था।.....

SHRI PRABODH CHANDRA (Gurdaspur) : I rise on a point of order. Sir, there is no quorum in the House.

Mr. CHAIRMAN : The bell is being rung. Shri Kanwar Lal Gupta may resume his seat.

Even now there is no quorum. The house stands adjourned till 11 A. M. tomorrow.

17.57 Hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday November 17, 1970 Kartika 26, 1892 (Saka).